भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या **447**

जिसका उत्तर मंगलवार, 25 जून, 2019/04 आषाढ़, 1941 (शक) को दिया जाना है।

उर्वरक उत्पादन

447. श्रीमती गीताबेन वजेसिंहभाई राठवाः

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में उर्वरक की अनुमानित वार्षिक मांग और स्वदेशी उत्पादन कितना है;

(ख) सरकार द्वारा उर्वरक की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) क्या सरकार का उर्वरक क्षेत्र में सरकारी/निजी निवेश बढ़ाने/विस्तारित करने का विचार है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रसायन और उर्वरक मंत्री

(श्री डी.वी. सदानंद गौड़ा)

(क): महोदय, कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग (डीएसीएण्डएफडब्ल्यू) राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के परामर्श से प्रत्येक फसली मौसम की शुरुआत से पहले सभी राजसहायताप्राप्त उर्वरकों की मांग का आकलन करता है। चालू मौसम अर्थात खरीफ 2019-20 (अप्रैल 19-सितंबर 19) के लिए देश में उर्वरकों की अनुमानित मांग इस प्रकार है:

देश में उर्वरकों की अनुमानित आवश्यकता	
	<आंकड़े एलएमटी में>
अखिल भारत/खरीफ 2019-20	**खरीफ 2019**
यूरिया	156.72
पीएंडके	124.57
कुल	**281.29**

* यूरिया का 7.35 एलएमटी आरक्षित आवंटन है।

स्रोत: आईएफएमएस

डीएसीएंडएफडब्ल्यू द्वारा रबी 2019-20 की आवश्यकता का आकलन अभी तक नहीं किया गया है। तथापि रबी 2018-19 के लिए मांग निम्नानुसार है:-

देश में उर्वरकों की अनुमानित आवश्यकता	
	<आंकड़े एलएमटी में>
अखिल भारत/रबी 2018-19	**रबी 2018-19**
यूरिया	151.13
पीएंडके	113.71
कुल	**264.84**

* यूरिया का 6.90 एलएमटी आरक्षित आवंटन है।

स्रोत: आईएफएमएस

देश में वर्तमान वर्ष अर्थात अप्रैल 2019 से मार्च 20 तक उर्वरकों का अनुमानित स्वदेशी उत्पादन इस प्रकार है:

2019-20 के दौरान सभी प्रमुख उर्वरकों का अनुमानित स्वदेशी उत्पादन			
			<आंकड़े एलएमटी में>
वर्ष	**यूरिया**	**डीएपी**	**मिश्रित**
2019-20	286.40	47.63	100.76

*अनुमानित उत्पादन आंकड़े अप्रैल और मई 2019 का वास्तविक उत्पादन और जून 19 से मार्च 20 के लिए अनुमानित लक्ष्य को दर्शाते हैं।

(ख): देश में उर्वरकों की मांग की पूर्ति के लिए सरकार द्वारा निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:-

1. प्रत्येक फसली मौसम के प्रारंभ होने से पूर्व कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग (डीएसीएण्डएफडब्ल्यू) सभी राज्य सरकारों के परामर्श से उर्वरकों की मांग का आकलन करता है। मांग के आकलन के पश्चात डीएसीएण्डएफडब्ल्यू उर्वरकों की माह-वार आवश्यकता का अनुमान लगाता है।
2. वर्तमान में देश में 31 यूरिया विनिर्माण इकाइयां चल रही हैं जिनकी संस्थापित क्षमता लगभग 220 एलएमटी यूरिया की है। राज्य सरकारों के परामर्श से डीएसीएंडएफडब्ल्यू द्वारा यूरिया की यथा-आकलित आवश्यकता को इन यूरिया इकाइयों द्वारा स्वदेशी उत्पादन से पूरा किया जाता है। मांग (आवश्यकता) और स्वदेशी उत्पादन से आपूर्ति के बीच के अंतर को आयात के जरिये पूरा किया जाता है। समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए मौसम के लिए आयात को भी समय से पहले अंतिम रूप दे दिया जाता है।
3. डीएसीएंडएफडब्ल्यू द्वारा दिए गए माह-वार और राज्य-वार अनुमान के आधार पर उर्वरक विभाग मासिक आपूर्ति योजना जारी करते हुए राज्यों को उर्वरकों की यथेष्ट/पर्याप्त मात्रा का आवंटन करता है और राज्य के भीतर वितरण की जिम्मेदारी संबंधित राज्य सरकार की होती है। इसके अतिरिक्त, निम्नलिखित प्रणाली के माध्यम से उर्वरकों की उपलब्धता की लगातार निगरानी की जाती है:

(क) देशभर में सभी प्रमुख राजसहायता प्राप्त उर्वरकों के संचलन की निगरानी एकीकृत उर्वरक निगरानी प्रणाली (आईएफएमएस) नामक ऑनलाइन वेब आधारित निगरानी प्रणाली द्वारा की जा रही है।

(ख) राज्य सरकारों को नियमित रूप से सलाह दी जाती है कि वे अपने राज्य की संस्थागत एजेंसियों जैसे मार्कफेड आदि के माध्यम से रेलवे रेकों के लिए समय पर मांग पत्र प्रस्तुत करके आपूर्तियों को सरल बनाने के लिए उर्वरकों के विनिर्माताओं और आयातकों के साथ समन्वय करें।

(ग) कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग (डीएसीएंडएफडब्ल्यू), उर्वरक विभाग (डीओएफ) और रेल मंत्रालय द्वारा राज्य कृषि पदाधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से नियमित साप्ताहिक वीडियो कांफ्रेंस की जाती है और उर्वरकों के प्रेषण के लिए राज्य सरकारों द्वारा यथा इंगित सुधारात्मक कार्रवाई की जाती है।

इस प्रकार, ऊपर दर्शाए गए कदमों से उर्वरक विभाग राज्य स्तर पर उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करता है और राज्य में किसानों को वितरण करना संबंधित राज्य सरकार की जिम्मेवारी है।

(ग) और (घ): भारत सरकार फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एफसीआईएल) और हिंदुस्तान फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचएफसीएल) के बंद पड़े 5 उर्वरक संयंत्रों नामत: एफसीआईएल के तलचर, रामागुंडम, गोरखपुर और सिंदरी संयंत्रों तथा एचएफसीएल के बरौनी संयंत्र का पुनरुद्धार 12.7 लाख मीट्रिक टन प्रति वर्ष की क्षमता वाले नए अमोनिया यूरिया संयंत्र स्थापित करके कर रही है। इन परियोजनाओं के कार्यान्वयन/कार्यारंभ के बाद देश में यूरिया क्षेत्र में मांग और आपूर्ति के बीच का अंतर पूरा हो जाएगा और उर्वरक क्षेत्र को नई ऊर्जा मिलेगी। उपर्युक्त संयंत्रों के कार्यारंभ/शुरुआत के उपरांत स्वदेशी यूरिया उत्पादन में 63.5 लाख मीट्रिक टन प्रति वर्ष की वृद्धि होगी जिससे यूरिया के आयात में उसी अनुपात में कमी आएगी।

भारत सरकार ने ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजर्स कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीवीएफसीएल), नामरूप-IV पर 12.70 एलएमटी की क्षमता वाले एक नए अमोनिया-यूरिया संयंत्र की स्थापना नामांकन (पीएसयू) मार्ग से करने का भी प्रस्ताव किया है।

*****